Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 08 April 2024

Dainik Jagran Page - 02

गोवि में 3, 1 स्नातक पाठ्यक्रम लागू

- आनलाइन आवेदन के दौरान अभ्यर्थियों को आकर्षित कर रहा पाठ्यक्रम का यह बदलाव
- बीए, बीएससी, बीकाम सभी स्नातक पाठ्यक्रमों पर लागू है यह नई व्यवस्था

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुपालन में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने नए सत्र से 3, 1 स्नातक पाठ्यक्रम लागू कर दिया है। स्नातक पाठ्यक्रम का यह नया स्वरूप प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को आकर्षित कर रहा। नए पाठ्यक्रम के मुताबिक विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को पहली बार स्नातक आनर्स की डिग्री मिलेगी। इसके लिए उन्हें कम से कम तीन वर्ष का पाठ्यक्रम पूरा करना होगा। चार वर्ष की डिग्री लेने वाले रिसर्च डिग्री प्राप्त करने के पात्र हो जाएंगे।

स्नातक पाठ्यक्रम को लेकर यह नई व्यवस्था बीए, बीएससी बायो, बीएससी मैथ्स, बखम, बीएससी कृषि, बीएससी होम साइंस, बीएजेएमसी और बीएएलएलबी जैसे सभी स्नातक पाठ्यक्रमों पर प्रभावी की गई है। 3,1 स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के बीच में पढ़ाई छोड़ने की स्थिति में खाली हाथ विश्वविद्यालय न छोड़ने की व्यवस्था विश्वविद्यालय ने की है। यदि कोई विद्यार्थी साल भर बाद पढ़ाई छोड़ता है तो उसे सर्टिफिकेट मिलेगा। दो साल बाद डिप्लोमा और तीन साल बाद स्नातक आनर्स की डिग्री की व्यवस्था बनाई गई है। चार साल का कोर्स पूरा करने पर स्नातक आनर्स के साथ रिसर्च डिग्री विद्यार्थी को मिलेगी। इस प्रोग्राम में मेजर, माइनर, को-करिकुलर तथा वोकेशनल पाठ्यक्रम शामिल हैं, जिससे विद्यार्थी का कौशल विकास भी सुनिश्चित किया जाए। विवि की मंशा अध्ययन के दौरान विद्यार्थी को रोजगार के योग्य बनाने की है।

> नए सत्र से 3, 1 स्नातक पाठ्यक्रम को लागू किया गया है। नए पाठ्यक्रम को छात्रहित में लचीला बनाया गया है। हर वर्ष के बाद पढ़ाई छूटने की स्थिति में विश्वविद्यालय से खाली हाथ न लौटने की व्यवस्था बनाई गई है। साथ ही पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद विद्यार्थी के लिए रोजगार का विकल्प खुला रहे, इसके लिए इसमें कौशल विकास पर भी जोर दिया गया है।
> **प्रो. पूनम टंडन**, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

यूनीरैंक वर्ल्ड रैंकिंग में गोवि को मिली 104वीं रैंक

जासं, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने यूनीरैंक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग-2024 में 104वीं रैंक हासिल की है। इस रैंकिंग का उद्देश्य स्वतंत्र वेब इंटेलिजेंस स्रोतों से प्राप्त वैध, निष्पक्ष और गैर-प्रभावशाली वेब मेट्रिक्स के आधार पर दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों की एक गैर-शैक्षणिक लीग तालिका प्रदान करना है। इस सफलता से उत्साहित कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा है कि यह अकादमिक उत्कृष्टता, अनुसंधान के लिए किए गए प्रयासों को साबित करती है। कुलपति ने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

नाथपंथ का अनसुना इतिहास जुटाएगी गोवि की शोध पीठ

- विश्वकोश की समृद्धि के लिए देशभर के मठ-मंदिरों तक जाएंगे शोधार्थी
- तैयार हो सभी मठ-मंदिरों की सूची, सहयोग के लिए सार्थी लोगों से संपर्क

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : नाथपंथ का विस्तार देश के विभिन्न हिस्सों तक ही नहीं बल्कि विदेश तक है। बहुत से स्थानों पर इस पंथ के मठ और मंदिर हैं और उनकी मान्यताएं और इतिहास अलग-अलग हैं। इन मान्यताओं और इतिहास की जानकारी जन-जन तक पहुंचे, इसके लिए, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का गुरु गोरखनाथ शोधपीठ नाथ पंथ का विश्वकोश तैयार कर रहा है और उसकी समृद्धि के लिए अपने शोधार्थियों को ऐसे मठ-मंदिरों तक भेजने की तैयारी कर रहा है। यह शोधार्थी जहां जाएंगे, वहां के स्थानीय लोगों से संपर्क साधकर नाथपंथ से जुड़ा स्थानीय इतिहास जुटाएंगे।

हिंदी में तैयार होगी विश्वकोश की मूल प्रति

विश्वकोश की मूल प्रति हिंदी भाषा में तैयार की जाएगी। बाद में प्रसार व मांग के मुताबिक इसका अन्य भाषाओं में अनुवाद कराया जाएगा। विश्वकोश में

अपनी इस योजना के क्रियान्वयन के लिए शोधपीठ के अधिकारी देश और दुनिया के ऐसे मठ-मंदिरों की सूची तैयार कर रहे हैं, जिनकी पूरी मान्यता के साथ स्थानीय स्तर पर लोकप्रिय होने की जानकारी तो है लेकिन वह लोकप्रियता अभी तक स्थानीयता से ऊपर नहीं उठ सकी है। देश के अन्य हिस्सों के लिए वह अनसुने और अनछुए हैं। इस कार्य के लिए ऐसे स्थानीय विशेषज्ञों की सूची भी शोधपीठ तैयार कर रहा है, जिसकी मदद से सुदूर क्षेत्र में मौजूद नाथपंथ के मठों और मंदिरों की जानकारी जुटाना आसान हो सकेगा। बीते दिनों कुलपति प्रो. पूनम टंडन नाथपंथ विश्वकोश के निर्माण की योजना बनाने के लिए एक बैठक बुलाई और योजना के क्रियान्वयन की रूपरेखा तैयार कराई। बैठक में यह भी तय किया कि विश्वकोश के निर्माण के लिए एक सलाहकार समिति बनाई जाएगी। साथ ही सहयोग के लिए विद्वानों की सूची तैयार की जाएगी।

गुरु गोरखनाथ शोधपीठ • जागरण

> कुलपति प्रो. पूनम टंडन के मार्गदर्शन में नाथपंथ का समृद्ध विश्वकोश तैयार करने की योजना शोधपीठ की ओर से बनाई गई है। इसकी शास्त्रिक समृद्धि के लिए देश-दुनिया में मौजूद नाथपंथ के हर मठ-मंदिर तक पहुंचने की कोशिश होगी। इसके लिए शोधार्थियों की सूची बनाई जा रही है। इसकी सूची में शामिल लोगों को मदद भी की जाएगी। पूरी कोशिश होगी कि नाथपंथ से जुड़ी कोई भी जानकारी विश्वकोश से अछूती न रह जाए।
> **डा. कुशल नाथ मिश्र**, उप निदेशक, गुरु श्रीगोरखनाथ शोधपीठ, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

Amar Ujala Page - 07

यूनीरैंक वर्ल्ड रैंकिंग में डीडीयू को 104वां स्थान

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने यूनीरैंक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 में 104वीं रैंक हासिल की है। यूनीरैंक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग का उद्देश्य स्वतंत्र वेब इंटेलिजेंस स्रोतों से प्राप्त वैध, निष्पक्ष और गैर-प्रभावशाली वेब मेट्रिक्स के आधार पर दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों की एक गैर-शैक्षणिक लीग तालिका प्रदान करना है।

यूनीरैंक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में चयन मानदंडों को पूरा करने वाले 890 भारतीय उच्च-शिक्षा संस्थानों में से 2024 रैंकिंग में गोरखपुर विश्वविद्यालय को भारत में 104वां स्थान दिया गया है। बता दें कि, हाल ही में विश्वविद्यालय ने सीमैगो रैंकिंग 2024, नेचर इंडेक्स रैंकिंग 2024 और एडुरैंक रैंकिंग 2024 में भी बेहतर प्रदर्शन दिखाया है।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने इस उपलब्धि के लिए शिक्षकों, विद्यार्थियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं। संवाद

नाथपंथ का इतिहास जुटाएगी गोरक्षनाथ शोधपीठ

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की गुरु गोरक्षनाथ शोधपीठ नाथपंथ का इतिहास जुटाएगी। नाथपंथ देश-विदेश तक फैला है, लेकिन इसकी लोकप्रियता अभी उतनी नहीं है। बहुत जगहों पर इसकी मान्यताएं और इतिहास अलग-अलग हैं।

आम लोगों तक इसकी मान्यताओं और इतिहास की जानकारी पहुंचाने के लिए शोधपीठ में नाथपंथ का विश्वकोश तैयार किया जा रहा है। इसकी समृद्धि के लिए शोधार्थी ऐसे मठ-मंदिरों में जाएंगे और वहां के लोगों से संपर्क साधकर नाथपंथ से जुड़ा स्थानीय इतिहास जुटाएंगे।

हाल ही में कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने नाथपंथ विश्वकोश के निर्माण के लिए बैठक बुलाई और योजना के क्रियान्वयन की रूपरेखा तैयार कराई। तय किया कि विश्वकोश के निर्माण के लिए सलाहकार समिति बनाई जाएगी। शोधपीठ के उपनिदेशक डॉ. कुशलनाथ मिश्र ने बताया कि नाथपंथ के विश्वकोश की मूल प्रति हिंदी भाषा में तैयार की जाएगी। संवाद

अब तीन साल में ऑनर्स, चार में ऑनर्स विद रिसर्च की डिग्री

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय में सत्र 2024-25 में नई शिक्षा नीति के अनुरूप 3+1 स्नातक पाठ्यक्रम लागू कर दिया गया है। अब विद्यार्थियों को तीन साल में स्नातक में ऑनर्स और चार साल बाद ऑनर्स के साथ रिसर्च की डिग्री मिलेगी। गोरखपुर विश्वविद्यालय में अभी तक ऑनर्स डिग्री नहीं थी।

विश्वविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। अब बीए, बीएससी बायो, बीएससी मैथ्स, बीकॉम, बीएससी कृषि, बीएससी होम साइंस, बीएजेएमसी और बीएएलएलबी में ऑनर्स डिग्री दी जाएगी। यह नया पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी दिखने लगा है। नई शिक्षा नीति के तहत यदि अब कोई विद्यार्थी 3+1 स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश के एक साल बाद पढ़ाई छोड़ता है तो उसको सर्टिफिकेट मिलेगा।

दो साल बाद डिप्लोमा और तीन साल बाद स्नातक में ऑनर्स की डिग्री मिलेगी। अगर वह चार साल पूरा कर लेता है तो उसे शोध के साथ ऑनर्स डिग्री मिलेगी। इस प्रोग्राम में मेजर, माइनर, को-करिकुलर और वोकेशनल कोर्सेज शामिल हैं, जो छात्रों को संपूर्ण शिक्षा और आवश्यक कौशल प्रदान करेंगे।

कौशल विकास पर जोर : कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि इस बार चार-वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम को लागू किया गया है। अब तीन साल में स्नातक ऑनर्स और चार साल बाद शोध के साथ ऑनर्स डिग्री मिलेगी।

गोरखपुर विश्वविद्यालय में इस सत्र से लागू हुआ है 3+1 पाठ्यक्रम

अधिवेशन में सम्मानित हुए साहित्यकार

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय के संवाद भवन में रविवार को हिंदी साहित्य परिवार मंच की तीसरी वर्षगांठ पर साहित्यिक अधिवेशन आयोजित किया गया। इसमें प्रो. उमेश चंद्र पांडेय की स्मृति में साहित्यकारों को सम्मानित कर कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़, बिहार, दिल्ली और लखनऊ से साहित्यकारों ने शिरकत की। इस दौरान प्रेमलता रस बिंदु, अर्चना सिंह, साधना त्रिपाठी, विभा प्रकाश आदि मौजूद रहीं। संवाद

Inext Page - 02

डीडीयूजीयू में 3-1 स्नातक पाठ्यक्रम लागू, मिलेगी आनर्स व रिसर्च की डिग्री

- ऑनलाइन आवेदन के दौरान अभ्यर्थियों को आकर्षित पाठ्यक्रम का यह बदलाव

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (7 April): नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुपालन में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने नए सत्र से 3-1 स्नातक पाठ्यक्रम लागू कर दिया है. स्नातक पाठ्यक्रम का यह नया स्वरूप प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को आकर्षित कर रहा. नए पाठ्यक्रम के मुताबिक विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को पहली बार स्नातक आनर्स की डिग्री मिलेगी. इसके लिए उन्हें कम से कम तीन वर्ष का पाठ्यक्रम पूरा करना होगा. चार वर्ष की डिग्री लेने वाले रिसर्च डिग्री प्राप्त करने के पात्र हो जाएंगे.

स्नातक पाठ्यक्रम को लेकर यह नई व्यवस्था बीए, बीएससी बायो, बीएससी मैथ्स, बखम, बीएससी कृषि, बीएससी होम साइंस, बीएजेएमसी और बीएएलएलबी जैसे सभी स्नातक पाठ्यक्रमों पर प्रभावी की गई है. 3-1 स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के बीच में पढ़ाई छोड़ने की स्थिति में खाली हाथ विश्वविद्यालय न छोड़ने की व्यवस्था विश्वविद्यालय ने की है. यदि कोई विद्यार्थी साल भर बाद पढ़ाई छोड़ता है तो उसे सर्टिफिकेट मिलेगा. दो साल बाद डिप्लोमा और तीन साल बाद स्नातक आनर्स की डिग्री की व्यवस्था बनाई गई है. चार साल का कोर्स पूरा करने पर स्नातक आनर्स के साथ रिसर्च डिग्री विद्यार्थी को मिलेगी. इस प्रोग्राम में मेजर, माइनर, को-करिकुलर तथा वोकेशनल पाठ्यक्रम शामिल हैं, जिससे विद्यार्थी का कौशल विकास भी सुनिश्चित किया जाए. इसके पीछे विश्वविद्यालय की मंशा अध्ययन के दौरान विद्यार्थी को रोजगार के योग्य बनाने की है.

> 3-1 स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के बीच में पढ़ाई छोड़ने की स्थिति में खाली हाथ विश्वविद्यालय न छोड़ने की व्यवस्था विश्वविद्यालय ने की है.

> नए सत्र से 3-1 स्नातक पाठ्यक्रम को लागू किया गया है. नए पाठ्यक्रम को छात्रहित में लचीला बनाया गया है. हर वर्ष के बाद पढ़ाई छूटने की स्थिति में विश्वविद्यालय से खाली हाथ न लौटने की व्यवस्था बनाई गई है. साथ ही पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद विद्यार्थी के लिए रोजगार का विकल्प खुला रहे, इसके लिए इसमें कौशल विकास पर भी जोर दिया गया है.
> **प्रो. पूनम टंडन**, वाइस चांसलर, डीडीयूजीयू

Hindustan Page - 07

नाथ पंथ | विश्वकोश को बनाया जाएगा समृद्ध, यहां से देश भर के मंदिरों में जाएंगे शोधार्थी

गोरक्षनाथ शोधपीठ जुटाएगा अनसुना इतिहास

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के गुरु गोरखनाथ शोधपीठ ने नई पहल की है। अब नाथ पंथ के अनसुने इतिहास को जुटाकर उसे दस्तावेज का रूप दिया जाएगा। नाथपंथ के विश्वकोश को समृद्ध बनाने के लिए शोधार्थी देश-दुनिया के मंदिरों में जाएंगे।

डीडीयू प्रशासन अभी इस योजना के क्रियान्वयन के लिए देश और दुनिया के ऐसे मठ-मंदिरों की सूची तैयार करा रहा है, जो श्रद्धा के बड़े केन्द्र तो हैं लेकिन वह स्थानीय स्तर पर ही हैं। देश के अन्य हिस्सों के लिए वे मंदिर अनसुने और अनछुए हैं। इस कार्य के लिए ऐसे स्थानीय विशेषज्ञों की सूची भी शोधपीठ तैयार कर रहा है, जिनकी मदद से नाथपंथ के मठों और मंदिरों की जानकारी जुटाना आसान हो सकेगा। बीते दिनों कुलपति प्रो. पूनम टंडन नाथपंथ विश्वकोष के निर्माण की योजना बनाने के लिए एक बैठक बुलाकर योजना के क्रियान्वयन की रूपरेखा तैयार कराई थी।

विश्वकोष तैयार कर कई भाषाओं में अनुवाद : विश्वकोश की मूल प्रति हिंदी भाषा में बनेगी। बाद में जरूरत के मुताबिक अन्य भाषाओं में अनुवाद किया जाएगा। इसे कई खंडों में तैयार कराने की योजना बनाई गई है।

> कुलपति प्रो. पूनम टंडन के मार्गदर्शन में नाथपंथ का समृद्ध विश्वकोश तैयार करने की योजना शोधपीठ द्वारा बनाई गई है। विश्वकोश की समृद्धि के लिए नाथपंथ के हर मठ-मंदिर तक पहुंचने की कोशिश होगी। पूरी कोशिश होगी कि नाथपंथ से जुड़ी हर जानकारी विश्वकोश में हो।
> - डॉ कुशल नाथ मिश्र, उप निदेशक, गुरु श्रीगोरखनाथ शोधपीठ, डीडीयू

यूनीरैंक वर्ल्ड रैंकिंग में भी डीडीयू, मिला 104वां स्थान

उपलब्धि

गोरखपुर, निज संवाददाता। डीडीयू ने यूनीरैंक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग-2024 में भी जगह बनाई है। कुल 890 भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए की गई इस रैंकिंग में डीडीयू को 104वां स्थान मिला है। एक पखवारे के अंदर यह चौथा अवसर है, जब डीडीयू को रैंकिंग दी गई है।

यूनीरैंक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग द्वारा वेब इंटेलिजेंस स्रोतों से प्राप्त वेब मेट्रिक्स के आधार पर दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों को रैंकिंग दी जाती है। यूनीरैंक ने भारत के 890 भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों की इसी आधार पर रैंकिंग की है। बता दें कि, हाल ही में विश्वविद्यालय ने सीमैगो रैंकिंग 2024, नेचर इंडेक्स रैंकिंग 2024 और एडुरैंक रैंकिंग 2024 में भी बेहतर प्रदर्शन किया है। इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि यह अकादमिक उत्कृष्टता, अनुसंधान के लिए किए गए प्रयासों को साबित करता है। विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किए गए नवाचार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सकारात्मक परिणाम दे रहे हैं।

तीन साल में ही स्नातक की डिग्री, चौथे वर्ष ऑनर्स

गोरखपुर, निज संवाददाता। डीडीयू में सत्र 2024-25 से एनईपी-2020 के अनुरूप स्नातक 3+1 वर्षीय पाठ्यक्रम लागू किया जा रहा है। इसमें स्नातक की डिग्री तीन वर्ष में ही मिलेगी लेकिन चौथे वर्ष की पढ़ाई पूरी करने पर ऑनर्स या ऑनर्स विद रिसर्च की डिग्री मिलेगी।

नए सत्र के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही नव प्रवेशित छात्रों की तरफ से इसे लेकर दोरों सवाल आ रहे हैं। नई व्यवस्था होने के कारण छात्र इसे समझने की कोशिश कर रहे हैं। इसे देखते हुए डीडीयू प्रशासन ने वेबसाइट पर इससे सम्बंधित विस्तृत विवरण दिया है।

डीडीयू में प्रवेश प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. हर्ष सिन्हा ने बताया कि एनईपी में स्नातक चार वर्षीय पाठ्यक्रम है। इसमें मल्टीपल इंट्री और एक्जिट का प्रावधान किया गया है। इसके अन्तर्गत एक साल पढ़ाई कर छोड़ने पर छात्र को सर्टिफिकेट, दो साल पढ़ाई कर छोड़ने पर डिप्लोमा का प्रमाणपत्र दिया जाएगा। तीन वर्ष की पढ़ाई पूरी होने पर स्नातक की डिग्री दी जाएगी। चौथे वर्ष में पढ़ाई कर रहे जिन छात्रों का कुल अंक 7.5 सीजीपीए या उससे अधिक होगा उन्हें ऑनर्स विद रिसर्च की डिग्री दी जाएगी।

Rashtriya Sahara Page - 06

समय की महत्ता को पहचाने बिना समेकित विकास संभव नहीं : कुलपति

- चिंता देवी बालिका महाविद्यालय में विदाई व पुरस्कार वितरण समारोह

बांसगांव (एसएनबी)। बांसगांव विकास खंड स्थित चिंता देवी बालिका महाविद्यालय पचीसी खास में आयोजित विदाई समारोह व पुरस्कार वितरण समारोह की मुख्य अतिथि गोविवि की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम में कहा की ग्रामीणांचल में अध्ययनरत छात्राओं को यह मानकर चलना चाहिए कि वह सभी विश्वविद्यालय कैम्पस में ही पढ़ रही हैं। फेसबुक, ट्विटर, इंटरनेट आदि के सम्यक् उपयोग द्वारा हमें व्यावहारिक ज्ञान अर्जित करना चाहिए। गांव के शुद्ध वातावरण का सीधा प्रभाव हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। इस लिहाज से भी गाँवों में पढ़ रही छात्राएं अपने को बेहतर बना सकती हैं। समय की महत्ता को पहचानने बिना समेकित विकास संभव नहीं है। हम जिस परिवेश में रह रहे हैं, पढ़-लिख रहे हैं उस परिवेश में हमें अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करने की जद्दोजेहद में अपने समय को खपाना चाहिए। विवि के व्यावसायिक कोर्स पर भी सम्यक् प्रकाश डालते हुए कुलपति ने छात्राओं को प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रवंधक ई राहुल राय ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

इस अवसर पर बीए प्रथम वर्ष की छात्रा खुशी, द्वितीय वर्ष की छात्रा सुधा गुप्ता, तृतीय वर्ष की छात्रा पूजा यादव को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर कुलपति ने मेडल देकर सम्मानित किया। आभार ज्ञापन करते हुए महाविद्यालय के प्रवंधक ई राहुल राय ने कहा कि ग्रामीणांचल के किसी महाविद्यालय में कुलपति का आना हम सभी के लिए गौरवशाली क्षण है।

कुलपति की सहजता, सौम्यता, कर्तव्यनिष्ठ कार्यशैली से महाविद्यालय अभिभूत है।

कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन हरिशरणपति त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर सुरेंद्रनाथ राय, स्नेहा राय, अंकिता यादव, लालजी शुक्ला, सत्यप्रकाश राय, तौफीक अली, रणविजय राय आदि अन्य लोग उपस्थित रहे।

गोविवि कुलपति प्रो. पूनम टंडन का स्वागत करते प्रबंधक ई. राहुल राय तथा उपस्थित शिक्षक व छात्राएं।

बच्चों में नादानी कम है, हरकत अब बचकानी...

गोरखपुर। हिंदी साहित्य परिवार के तत्वावधान में रविवार को डीडीयू के संवाद भवन में साहित्य अधिवेशन का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध फिजिशियन एवं युवा कवि डॉक्टर (मेजर) अमित कुमार श्रीवास्तव ने बच्चों में नादानी कम है, हरकत अब बचकानी कम है... के साथ काव्य श्रृंखलाओं की शुरूआत की। कार्यक्रम का संचालन किरण पांडे और अध्यक्षता डॉ. रामकरण साहू ने की। डॉ. सरिता सिंह और अली अंसारी ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

Amar Ujala Select Page - 03

नाथपंथ का इतिहास जुटाएगी गोरक्षनाथ शोधपीठ

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की गुरु गोरक्षनाथ शोधपीठ नाथपंथ का इतिहास जुटाएगी। नाथपंथ देश-विदेश तक फैला है, लेकिन इसकी लोकप्रियता अभी उतनी नहीं है। बहुत जगहों पर इसकी मान्यताएं और इतिहास अलग-अलग हैं।

आम लोगों तक इसकी मान्यताओं और इतिहास की जानकारी पहुंचाने के लिए शोधपीठ में नाथपंथ का विश्वकोश तैयार किया जा रहा है। इसकी समृद्धि के लिए शोधार्थी ऐसे मठ-मंदिरों में जाएंगे और वहां के स्थानीय लोगों से संपर्क साधकर नाथपंथ से जुड़ा स्थानीय इतिहास जुटाएंगे। इस काम के लिए शोधपीठ ऐसे स्थानीय विशेषज्ञों की सूची तैयार कर रहा है, जिनकी मदद से नाथपंथ के मठों और मंदिरों की जानकारी जुटाना आसान हो सकेगा।

Amar Ujala - Gorakhpur Dehat

महाविद्यालय भी हमारे कैम्पस ही हैं : वीसी

चिंता देवी बालिका महाविद्यालय में विदाई समारोह में दिया आशीर्वाद

संवाद न्यूज एजेंसी

कौड़ीराम। ग्रामीणांचल में अध्ययनरत छात्राओं को ये मान के चलना चाहिए कि वो विश्वविद्यालय कैम्पस में ही पढ़ रही हैं। फेसबुक, ट्विटर, इंटरनेट आदि के सम्यक उपयोग से हमें व्यावहारिक ज्ञान अर्जित करना चाहिए। गांव के शुद्ध वातावरण का सीधा प्रभाव हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। इस लिहाज से ग्रामीण अंचल में पढ़ रही छात्राएं खुद को बेहतर बना सकती हैं।

उक्त बातें डीडीयू गोरखपुर की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कही। वह चिंता देवी बालिका महाविद्यालय पचीसी खास, विशुनपुर में बीए तृतीय वर्ष के विदाई समारोह के अवसर पर छात्राओं को संबोधित कर रहीं थीं। उन्होंने कहा कि समय की महत्ता को पहचानने बिना समेकित विकास संभव नहीं है। हम जिस परिवेश में रह रहे हैं, पढ़-लिख रहे हैं उस परिवेश में हमें अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करने की जद्दोजहद में अपने समय को खपाना चाहिए। विश्वविद्यालय के व्यावसायिक कोर्स पर प्रकाश डालते हुए कुलपति ने छात्राओं को अभिप्रेरित किया। इस अवसर पर बीए प्रथम वर्ष की छात्रा खुशी, द्वितीय वर्ष की छात्रा सुधा गुप्ता, तृतीय वर्ष की छात्रा पूजा यादव को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर कुलपति ने मेडल देकर सम्मानित किया।

आभार ज्ञापन करते हुए महाविद्यालय के प्रबंधक ई. राहुल राय ने कहा कि ग्रामीणांचल के किसी महाविद्यालय में कुलपति का आना हम सभी के लिए गौरवशाली क्षण है। कुलपति की सहजता, सौम्यता, कर्तव्यनिष्ठ कार्यशैली से महाविद्यालय अभिभूत है। संचालन हरिशरण पति त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर सुरेंद्रनाथ राय, स्नेहा राय, अंकिता यादव, लालजी शुक्ला, सत्यप्रकाश राय, तौफीक आदि उपस्थित रहे।

कौड़ीराम में टॉपर छात्राओं के साथ कुलपति व प्रबंधक। संवाद